



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 116]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 14, 2009/आषाढ़ 23, 1931

No. 116]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 14, 2009/ASADHA 23, 1931

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 14 जुलाई, 2009

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती)
(संशोधन) विनियम, 2009

सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2009-10/12/169546.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) (संशोधन) विनियम, 2009 कहा जा सकेगा।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 में, अध्याय V के पश्चात्, निम्नलिखित अध्याय अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“अध्याय Vक

33क. स्थितियां जब संक्षिप्त प्रक्रिया का अनुसरण किया जाना है.—इन विनियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, इन विनियमों के प्रवृत्त होने से पूर्व पहले के भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया विनियम, 2002 (तारीख 26 मई, 2008 की अधिसूचना सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2008/11/126538 द्वारा

निरसित) के अध्याय III के अधीन शुरू की गई किन्हीं कार्यवाहियों को, इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार निपटारा जाएगा।

33ख. प्रक्रिया जिसका अनुसरण इस अध्याय के अधीन किया जाना है.—(1) अध्यक्ष या सदस्य बोर्ड के अधिकारी को जो सहायक महाप्रबंधक या सहायक विधि सलाहकार की पक्ति से नीचे का न हो, विनियम 33क में निर्दिष्ट कार्यवाहियों की बाबत इस विनियम के अधीन प्रक्रिया का अनुसरण करने के पश्चात् उसकी सिफारिश देने के लिए नियुक्त कर सकेगा:

परन्तु यह कि विनियम 33क में निर्दिष्ट कार्यवाहियों की बाबत, यदि विनियम 33ख में अधिकथित प्रक्रिया से अभियुक्ति देने के लिए मध्यवर्ती से अभ्यावेदन प्राप्त होता है, तो अध्यक्ष या सदस्य इस उप-विनियम के अधीन बोर्ड के अधिकारी को नियुक्त नहीं कर सकेगा और मध्यवर्ती के अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् समुचित आदेश पारित कर सकेगा।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन नियुक्त अधिकारी मध्यवर्ती, जिसके विरुद्ध कार्यवाहियां की जा रही हैं, को सूचना मध्यवर्ती से यह अपेक्षा करते हुए जारी करेगा कि वह ऐसे समय के भीतर, जो सूचना की प्राप्ति के पश्चात् पन्द्रह दिनों से अधिक न हो, सूचना के उत्तर में लिखित निवेदन करे, जैसा सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए :

परन्तु यह कि अधिकारी ऐसे पर्याप्त कारणों से जो लिखित में अभिलिखित किए जाएंगे उप-विनियम (2) के अधीन उल्लिखित समय को बढ़ा सकेगा।

(3) यदि मध्यवर्ती सूचना में विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर सूचना के प्रति लिखित निवेदन करने में असफल रहता है, तो अधिकारी, परिस्थितियों पर विचार करने के पश्चात् और रिकॉर्ड में

उपलब्ध सामग्री को ध्यान में रखते हुए, अध्यक्ष अथवा सदस्य, यथास्थिति, को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और विनियम 27 के अधीन किसी कार्रवाई को करने की सिफारिश कर सकेगा जो वह मामले की परिस्थितियों में समुचित माने और ऐसी कार्रवाई की सिफारिश करने के कारण देगा।

(4) यदि मध्यवर्ती उक्त कालावधि के भीतर निवेदन करता है, तो अधिकारी, इस प्रकार किए गए निवेदन पर विचार करने के पश्चात्, अध्यक्ष अथवा सदस्य यथास्थिति, को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और विनियम 27 के अधीन किसी कार्रवाई को करने की सिफारिश कर सकेगा जो वह मामले की परिस्थितियों में समुचित माने और ऐसी कार्रवाई की सिफारिश करने के कारण देगा।

(5) अध्यक्ष अथवा सदस्य, यथास्थिति, उप-विनियम (3) या उप-विनियम (4) के अधीन अधिकारी से सिफारिशों की प्राप्ति के पश्चात्, ऐसे आदेश पारित करेगा जो वह समुचित समझे।

(6) अध्यक्ष अथवा सदस्य कई मध्यवर्तियों की बाबत सामान्य आदेश पारित कर सकेगा जहां प्रश्नगत विषय वस्तु सारभूत रूप से उसी या वैसे ही स्वरूप की है।

33ग. आदेश का प्रकाशन.—बोर्ड इस अध्याय के अधीन आदेश की बाबत प्रेस प्रकाशनी कम से कम दो समाचारपत्रों जिनमें से कम से कम एक का राष्ट्रव्यापी परिचालन होगा, में जारी करेगा और आदेश को बोर्ड के वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करेगा।

सी. बी. मावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69 जैडबी/2009/अस.]

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008, मूल विनियम, अधिसूचना सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2008/11/126538 द्वारा 26 मई, 2008 को भारत के राजपत्र, भाग III, खण्ड 4 में प्रकाशित हुए थे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008, तत्पश्चात् भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2008 द्वारा 11 अगस्त 2008 को, अधिसूचना सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2008/20/134766 द्वारा संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 14th July, 2009

Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2009

No. LAD-NRO/GN/2009-10/12/169546.— In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008, namely:—

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2009.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008, after Chapter V, the following Chapter shall be inserted, namely:—

“CHAPTER VA

33A. Situations when summary procedure to be followed.—Notwithstanding anything contained in these regulations, any proceedings initiated under Chapter III of the erstwhile Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 (repealed vide notification No. LAD-NRO/GN/2008/11/126538, dated May 26, 2008) prior to the coming into force of these regulations, shall be disposed of in accordance with the provisions of this Chapter.

33B. Procedure to be followed under this Chapter (1) The Chairman or member may appoint an officer of the Board, not below the rank of Assistant General Manager or Assistant Legal Advisor for giving his recommendation after following the procedure under this regulation in respect of the proceedings referred to in regulation 33A:

Provided that in respect of the proceedings referred to in regulation 33A, if a representation is received from an intermediary to dispense with the procedure laid down in regulation 33B, the Chairman or the member may not appoint an officer of the Board under this sub-regulation and pass an appropriate order after considering the representation of the intermediary.

(2) The officer appointed under sub-regulation (1) shall issue to the intermediary, against whom the proceedings are being held, a notice requiring the intermediary to make a written submission in reply to the notice within such time, not exceeding fifteen days after the receipt of the notice, as may be specified in the notice:

Provided that the officer may extend the time mentioned under sub-regulation (2) for sufficient reasons to be recorded in writing.

(3) If the intermediary fails to make a written submission to the notice within the period specified in the notice, the officer shall, after considering the circumstances and in light of the material on record, submit a report to the Chairman or the member, as the case may be, and may recommend taking of any action under regulation 27 as he considers appropriate in the circumstances of the case and shall give reasons for recommending such action.

(4) If the intermediary makes submission within the said period, the officer shall, after considering the submission so made, submit a report to the Chairman or the member, as the case may be, and may recommend taking of any action under regulation 27 as he considers appropriate in the circumstances of the case and shall give reasons for recommending such action.

(5) The Chairman or the member, as the case may be, after receipt of recommendations from the officer under sub-regulation (3) or sub-regulation (4), shall pass such orders as he may deem appropriate.

(6) The Chairman or the member may pass a common order in respect of a number of intermediaries where the subject-matter in question is substantially the same or similar in nature.

33C. Publication of order.—The Board shall issue a press release in respect of an order under this Chapter in at least two newspapers of which at least one

shall have nationwide circulation and shall also put the order on the website of the Board."

C.B. BHAVE, Chairman

[ADVT III/4/69 ZB/2009/Exty.]

Footnotes:

1. The principal regulations, Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008 were published in the Gazette of India, Part III, Section 4 on May 26, 2008 *vide* notification No. LAD-NRO/GN/2008/11/126538.
2. The Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008 were subsequently amended on August 11, 2008 by Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 2008, *vide* notification No. LAD-NRO/GN/2008/20/134766.